



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 385] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 28, 1992/आश्विन 6, 1914
No. 385] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 28, 1992/ASVINA 6, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1992

सा.का.नि. 793(अ) :—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) के अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप नियमों पर उस तारीख से जिसकी उस राजपत्र की प्रतियाँ, जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है जन्ता की उपलब्ध करा दी जाती है, तम दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पहले उक्त प्रारूप नियमों की बाबत, किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011 को भेजे जा सकते हैं।

प्रारूप नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में इनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 (जिसे इसमें इनके पश्चात्, उक्त नियम कहा गया है) में,—

नियम 42 में, खंड (ययय) (3) के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(ययय) (4) 30 प्रतिशत से अधिक राइस ब्रान तेल से बनाए गए दानस्पति के प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखित लेबल लगा होगा, अर्थात् :—

दानस्पति का यह पैकेज भार में 30 प्रतिशत से अधिक राइस ब्रान तेल से बनाया गया है।

(ययय) (5) फेट स्त्रेड के तारके पैकेज पर निम्नलिखित लेखल जा होगा, अर्थात् :—

- (i) दुग्ध फेट स्त्रेड
भार में कुल दुग्ध वसा पदार्थ-----प्रतिशत
पैकिंग का तारख-----
-----से पहले प्रयोग करें।
- (ii) मिश्रित फेट स्त्रेड
भार में कुल वसा पदार्थ-----प्रतिशत
भार में दुग्ध वसा पदार्थ-----प्रतिशत
पैकिंग का तारख-----
-----से पहले प्रयोग करें।
- (iii) वनस्पति फेट या मार्गेरिन उत्पाद
भार में कुल वसा पदार्थ-----प्रतिशत
पैकिंग का तारख-----
-----से पहले प्रयोग करें।

1. उक्त नियमों के नियम 49 में, उपनियम (21) के पश्चात् निम्न-लिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(22) फेट स्त्रेड का खुले रूप में विक्रय नहीं किया जाएगा। यह 500 ग्राम से अनाधिक वजन के मुहरबंद पैकेजों में बंटा जाएगा। उत्पाद पर लेबल लगाने समय मकखन शब्द का महत्व नहीं किया जाएगा। मुहरबंद पैकेजों का विक्रय या विक्रय के लिए प्रस्तुतता इन नियमों के अर्धीन अन्य लेबल लगाने की अपेक्षाओं के अतिरिक्त नियम 42 के उपबंधों के अनुसार घोषणा लेबल पर एगमार्कसिद्ध के अधीन ही की जाएगी।

4. उक्त नियमों के नियम 55 में मद (36) और उनसे संबंधित परिच्छिदों के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

37. फेट स्त्रेड साविक अम्ल और इसके मोडियम, 1000 पोटेशियम और फेल्लियम लवण (साविक अम्ल के रूप में संगणित) 1000 या निसिन (साविक अम्ल के रूप में संगणित) या दोनों 1000

5. उक्त नियमों के नियम 59 में पांचवें पन्तुक के पश्चात् निम्न-लिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और भी कि फेट स्त्रेड में व्गुटिलिन हाईड्रायमोएनियोल (बी एच ए) या तृतीयक व्गुटिल हाइड्रोक्लोरिड (टी बी एच क्यू) 0.02 प्रतिशत से अनाधिक सांद्रता में हो सकें।”

6. उक्त नियमों के नियम 72 की सारणी में, मद 14 के स्तंभ (2) के उप मद (iii) में “मैडविक स्त्रेड” के शब्दों के पश्चात् “या फेट स्त्रेड” शब्द अंतः स्थापित किए जाएंगे,

7. उक्त नियमों के परिच्छिद 7 में,—

(i) मद क—10—08 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

क. 10—09 कोकुम वसा से कोकुम (गारमिनिया इंडिका बीडस) और जो कोकुम के नाम से भी जाना जाता है के साफ और ठोस बीजों की गिरी से निष्पीडन प्रक्रिया द्वारा खली या

गिरीयों से विलायक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त की गई वसा अभिप्रेत है। यह द्रवण पर साफ होगी और विकृत गंधिता, अपमिश्रण, तलछट, मिलवित और अन्य विजातीय पदार्थ, प्रयक्कृत जल, मिलाए गए रंजक और गुवात्मक पदार्थों तथा खनिज तेलों से मुक्त होगी।

इसके अतिरिक्त परिष्कृत कोकुम वसा का स्वाद और गंध प्रतिग्राह्य होगी और नियमों में यथा विहित विनिर्दिष्ट मात्रा में अनुज्ञात प्रति-आक्सीकारक से युक्त हो सकती है।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुष्व भी होगी, अर्थात् :—

- (क) 40°से. पर व्गुटिरो-रिफ्रेक्टोमीटर रीडिंग 26.6—37.7
(ख) साबुनीकरण मान 187—195
(ग) असाबुनीकरणीय पदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
(घ) आयोडिन मान (विज पद्धति) 32—40
(ङ) अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं होगा।
(च) स्फुरक (पेंस की मार्टेन (बंद) पद्धति) 250° में से कम नहीं होगा।

क—10 10

आम्र गुठनी वसा से आमां (पैगफेरा इंडिकासिन) की साफ और ठोस गुठलियों से विलायक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त की गई वसा अभिप्रेत है।

यह द्रवण पर साफ होगी और अपमिश्रणों, विकृत गंधिता, तलछट, मिलवित और अन्य विजातीय पदार्थ, प्रयक्कृत जल, मिलाए गए रंजक और गुवात्मक पदार्थों तथा खनिज तेलों से मुक्त होगी।

इसके अतिरिक्त परिष्कृत आम्र गुठनी वसा का स्वाद और गंध प्रतिग्राह्य होगी और नियमों में यथाविहित विनिर्दिष्ट मात्रा में अनुज्ञात प्रति-आक्सीकारक से युक्त हो सकती है।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुष्व भी होगी, अर्थात् :—

- (क) 40° से. पर व्गुटिरो-रिफ्रेक्टोमीटर रीडिंग 22.4—36.4
(ख) साबुनीकरण मान 185—198
(ग) असाबुनीकरणीय पदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
(घ) आयोडिन मान (विज पद्धति) 32—57
(ङ) अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं होगा।
(च) स्फुरक (पेंस की मार्टेन (बंद) पद्धति) 250° से. से कम नहीं होगा।

क 10.11 घुषा वसा से घुषा जो भारतीय गोपाल (बेटेरीया इंडिका लिन) ब्रुल से भी जाना जाता है, के साफ और ठोस बीजों की गिरीयों से निष्पीडन प्रक्रिया द्वारा खली या गिरीयों से विलायक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त की गई वसा अभिप्रेत है। यह द्रवण पर साफ होगी और अपमिश्रणों, वकृत गंधिता, तलछट, मिलवित और अन्य विजातीय पदार्थ, प्रयक्कृत जल मिलाए गए रंजक और गुवात्मक पदार्थों तथा खनिज तेलों से मुक्त होगी।

इसके अतिरिक्त परिष्कृत घुषा वसा का स्वाद और गंध प्रतिग्राह्य होगी और नियमों में यथा विहित विनिर्दिष्ट मात्रा में अनुज्ञात प्रति-आक्सीकारक से युक्त हो सकती है।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगी, अर्थात् :-

- (क) 40° से. पर व्युत्तिरो-रिक्तियों- 47.6-62.8 मीटर रीडिंग
- (ख) साबुनीकरण मान 186-193
- (ग) असाबुनीकरणीय पदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (घ) आयोडीन मान (विज पद्धति) 36-51
- (ङ) अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं होगा।
- (च) स्फुरांक (पेन्सकी मॉटेन बंद) 25° से. से कम नहीं पड़ति)

क. 10.12 फुलवारा बसा से साफ फुलवारा (विगिन नाम और ऐमान्द्रा व्युत्तिरोसी (राकभव) येदनी, मोधुका व्युत्तिरोसिया या बगिया व्युत्तिरोसिया) बीज निरियो से निष्पीडित बसा अभिप्रेत है। वह प्रयण पर साफ होगी और अपमिश्रणों, विकृत गंधिता, तसछट, निम्बिना और अन्य विजातीय पदार्थ, पृथक्कृत जल, मिलाए गए रंजक और सुवासक पदार्थों तथा खनिज तेलों से मुक्त होगी। यह परिष्कृत होगी। परिष्कृत फुलवारा बसा का स्वाद और गंध प्रतिग्राह्य होगी और इन नियमों में यथाविहित विनिर्दिष्ट मात्रा में प्रयुजात प्रति-आपसीकारक से मुक्त हो सकती है।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगी, अर्थात् :-

- (क) 40° से. पर व्युत्तिरो-रिक्तियों- 48.6-51.0 मीटर रीडिंग
- (ख) साबुनीकरण मान 192.5-199.4
- (ग) आयोडीन मान (विज पद्धति) 43.8-47.4
- (घ) असाबुनीकरणीय पदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (ङ) अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं होगा।
- (च) स्फुरांक (पेन्सकी मॉटेन बंद) 250° से. से कम नहीं होगा पद्धति)
- (ii) मद क 17.17 में "आर्द्रता तथा अविलेय पदार्थ" शब्दों के स्थान पर "आर्द्रता और वाष्पशील पदार्थ" शब्द रखे जाएंगे।
- (iii) मद क 17.18 में, (क) उप मद (क) में "तोरिया के बीज" शब्दों के स्थान पर "विदेश में पैदा किए गए तोरिया के बीज" शब्द रखे जाएंगे, और
- (ख) उप मद (ख) में "ब्रेनिका" शब्द के स्थान पर, "भारत में उत्पादित हैं और ब्रेनिका" शब्दों को रखा जाएगा,

- (iv) मद क. 17.19 में "ताड़ के तेल का मानव उपयोग के लिए प्रदान की परिष्कृत किए जाने के पश्चात् ही किया जाएगा। यह मद क. 17.51 में अधिककृत मानकों के अनुसार होगा। इसका प्रचलन ताप (पेस्के मॉटेन बंद पद्धति) 25° से. से कम नहीं होगा।" शब्दों के स्थान पर "निष्पीडित की पद्धति से प्राप्त किया गया वेश में उत्पादित अपरिष्कृत ताड़ तेल ऐसे रूप में मानव उपयोग के लिए प्रदाय किया जा सकता है परन्तु उनका अम्ल मान 6.0 से अधिक नहीं होगा। परन्तु देश में आयात किया गया या विलायक निष्कर्षण द्वारा उत्पादित ताड़ तेल को मानव उपयोग के लिए प्रदाय से पूर्व परिष्कृत किया जाएगा और यह मद क 17.15 में अधिककृत मानकों के अनुसार होगा। इसके अतिरिक्त इसका स्फुरांक (पेस्के मॉटेन बंद पद्धति) 250° से. से कम नहीं होगा।" कोष्ठक शब्द, शीक और ध्वर रखे जाएंगे।

(v) मद क 17.22 में "82.9" शब्दों के स्थान पर "65.0" शब्द रखे जाएंगे।

(vi) मद क. 17.13 में "आर्द्रता और अविलेय पदार्थ" शब्दों के स्थान पर "आर्द्रता और वाष्पशील पदार्थ" शब्द रखे जाएंगे।

(vii) मद क. 19 में,-

(क) उप मद सं. (viii) के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

"परन्तु उस वनस्पति की दशा में जिसमें भार के आधार पर राहस ब्रान तेल का अनुपात 30 प्रतिशत से अधिक है असाबुनीकरणीय पदार्थ भार के आधार पर 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। परन्तु यह तब जब कि नियम 42 के खंड (घट्य) (4) में अधिककृत राहस ब्रान तेल को मात्रा उक्त वनस्पति के लेवल पर घोषित कर दी गई है।

(ख) उप मद (x) में "इसमें अपरिष्कृत या परिष्कृत तिल का तेल भार में 5 प्रतिशत से कम नहीं होगा परन्तु इतना पर्याप्त या परिष्कृत होगा कि" शब्दों और शीक के स्थान पर "इसमें अपरिष्कृत तिल का तेल पर्याप्त मात्रा में होगा" शब्द रखे जाएंगे।

(ग) उप मद (xi) के पश्चात निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

(xii) इसमें निजेल 1.5 पी पी एम से अधिक नहीं होगा।"

(viii) मद क. 30 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंत स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"ए-31 फेट स्ट्रेड से वारीय प्रावस्था और जानवर के शरीर की बसा की अपवर्जन करते हुए खाद्य तेलों और बसा प्रावस्था का तेल इमल्सन में जल के रूप में कोई उत्पाय अभिप्रेत है

फेट स्ट्रेड की निम्नलिखित तीन समूहों में वर्गीकृत किया जाएगा :-

- (क) दुग्ध बसा उत्पाद बसा अंग अन्त्य रूप से दुग्ध बसा के होंगे।
- (ख) मिश्रित बसा उत्पाद बसा अंग, दुग्ध बसा और हाइड्रोजनीकृत या अहाइड्रोजनीकृत परिष्कृत खाद्य वनस्पति तेलों का कोई अधिकमिश्रण होगा।
- (ग) वनस्पति बसा या बसा अंग हाइड्रोजनीकृत या अहाइड्रोजनीकृत मार्गरोन उत्पाद परिष्कृत वनस्पति तेलों का कोई अधिकमिश्रण होगा।

बसा अंगों की लेवल पर घोषणा होगी। मिश्रित फेट स्ट्रेड में, कुल बसा अंगों के माप-साय दुग्ध बसा अंगों की भी लेवल पर घोषणा की जाएगी। उत्पाद पर लेबल लगाते समय "मक्खन" शब्द को सहज नहीं किया जाएगा।

इसके शर के आधार पर 2 प्रतिशत से अनधिक साधारण खाद्य नमक, दुग्ध ठोस-बसा नहीं, भार के आधार पर 1 प्रतिशत से अनधिक स्टार्च, 4.0 पी पी एम से अनधिक का सोपा तक डाइएसीटिल को सुखिकारक के रूप में मिलाया जा सकता है, अनुज्ञात पापसीकारक और स्वायीकारक, स्त्रेड के बसा पदार्थ का 0.02 प्रतिशत से अनधिक अनुज्ञात प्रति धामसी-कारक (गै एच ए ए या टी वी एच यू), अनुज्ञात वर्ग 2 परिरक्षी जैसे सार्विक अम्ल नियमों इसका सीडियम, पोटेशियम और कैल्शियम लवण (सार्विक अम्ल के रूप में परिकल्पित) या एकल रूप से या भार में 1000 भाग प्रति दस लाख से अनधिक संशोधन में निसिन (सार्विक अम्ल के रूप में परिकल्पित), और प्रच्छादक हैं। इसमें अन्नाटों और 1 या कैरी-टोन रंजक पदार्थ के रूप में हो सकता है यह पशु शरीर बसा, यनिज तेल और मोम से मुक्त होगा। वनस्पति फेट स्ट्रेड में अपरिष्कृत या परिष्कृत तिल का तेल इतनी पर्याप्त मात्रा में होगा कि जब प्रयुक्त बसा को 20.80 के अनुपात में परिष्कृत मृगफल के तेल में मिलाया जाए सुझात परीक्षण द्वारा उत्पादित जाल रंग लोबी वाटन स्केल पर 1 सेंट शेल में 2.5 लाख यूनिटों से हलका नहीं होगा।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगा, अर्थात् :-

- (i) बसा 80 प्रतिशत से अधिक और 40 प्रतिशत एम/एम से अनुरूप
- (ii) झाड़ता 56 प्रतिशत से अधिक और 16 प्रतिशत एम/एम से अनुरूप ।
- (iii) वनस्पति फेट स्प्रेड की 37° से. से अधिक नहीं ।
बसा में, निष्कर्षित
बसा का गलनांक बिंदु
(केपिलरी स्लिप पद्धति)
- (iv) निष्कर्षित बसा का
असावनीकरणीय पदार्थ
- (क) दुग्ध बसा और मिश्रित भार में 1 प्रतिशत से अधिक नहीं ।
फेट स्प्रेड की बसा में
- (ख) वनस्पति फेट स्प्रेड की 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं ।
बसा में
- (v) निष्कर्षित बसा का घनत्व मान-0.5 अधिक नहीं ।

यह अनिवार्य रूप से एगमार्क प्रमाणित चित्त के अधीन 500 ग्राम से अधिक वजन के मुहूर्त पैकेजों में बेचा जाएगा ।

- (vi) पैकिंग के समय प्रति ग्राम वनस्पति बसा या मार्गरीन उत्पादन में संश्लिष्ट विटामिन 'क' का 25 भाई यु से कम नहीं होगा और जब उसका परीक्षण एंटीमनी ट्राइक्लोराइड (कार-प्राइस) रीजेंट (आई एस 5886-1970 के अनुसार) द्वारा किया जाए तो विटामिन 'क' के लिए सकारात्मक परीक्षण दर्शाएगा ।"

[सं. 15014/2/92-पी एच (एफ एवं एन)]

भूपेन्द्र सिंह साम्बा, संयुक्त सचिव

टिप्पण: खाद्य अप्रमिश्रण निवारण नियम, 1955 प्रथम बार भारत के राज्यपत्र के भाग 2, खण्ड -3 में का. प्रा. 2106 तारीख 12-9-59 को प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया:-

1. का. नि. प्रा. 1202 दिनांक 26-5-56
 2. का. नि. प्रा. 1687 दिनांक 28-7-56
 3. का. नि. प्रा. 2213 दिनांक 28-9-56 (प्रसाधारण)
 4. का. नि. प्रा. 2755 दिनांक 21-11-57
- उसमें किए गए और संशोधन भारत के राज्यपत्र के भाग 2, खण्ड 3 उप खण्ड (1) में इस प्रकार प्रकाशित किए गए थे:—
5. सा. का. नि. 514 दिनांक 28-6-58
 6. सा. का. नि. 1211 दिनांक 20-12-58
 7. सा. का. नि. 425 दिनांक 4-4-60
 8. सा. का. नि. 169 दिनांक 11-2-61
 9. सा. का. नि. 1134 दिनांक 16-9-61
 10. सा. का. नि. 1340 दिनांक 4-11-61
 11. सा. का. नि. 1564 दिनांक 24-11-62
 12. सा. का. नि. 1589 दिनांक 22-10-64
 13. सा. का. नि. 1814 दिनांक 11-12-65
 14. सा. का. नि. 74 दिनांक 8-1-66
 15. सा. का. नि. 382 दिनांक 19-3-66
 16. सा. का. नि. 1256 दिनांक 26-8-67
 17. सा. का. नि. 1533 दिनांक 24-8-68

18. सा. का. नि. 2163 दिनांक 14-12-68 (शुद्धिपत्र)
19. सा. का. नि. 532 दिनांक 8-3-69
20. सा. का. नि. 1764 दिनांक 26-7-69 (शुद्धिपत्र)
21. सा. का. नि. 2068 दिनांक 30-8-69
22. सा. का. नि. 1808 दिनांक 24-10-70
23. सा. का. नि. 938 दिनांक 12-6-71
24. सा. का. नि. 992 दिनांक 3-7-71
25. सा. का. नि. 553 दिनांक 6-5-72
26. सा. का. नि. 436 (अ) दिनांक 10-10-72
27. सा. का. नि. 133 दिनांक 10-2-73
28. सा. का. नि. 205 दिनांक 23-2-74
29. सा. का. नि. 850 दिनांक 12-7-75
30. सा. का. नि. 508 (अ) दिनांक 27-9-75
31. सा. का. नि. 63 (अ) दिनांक 5-2-76
32. सा. का. नि. 754 दिनांक 29-5-76
33. सा. का. नि. 856 दिनांक 12-6-76
34. सा. का. नि. 1417 दिनांक 2-10-76
35. सा. का. नि. 4 (अ) दिनांक 4-1-77
36. सा. का. नि. 18 (अ) दिनांक 5-1-77
37. सा. का. नि. 651 (अ) दिनांक 20-10-77
38. सा. का. नि. 732 (अ) दिनांक 5-12-77
39. सा. का. नि. 775 (अ) दिनांक 27-12-77
40. सा. का. नि. 36 (अ) दिनांक 21-1-78
41. सा. का. नि. 70 (अ) दिनांक 8-2-78
42. सा. का. नि. 238 (अ) दिनांक 20-4-78
43. सा. का. नि. 393 (अ) दिनांक 4-8-78
44. सा. का. नि. 590 (अ) दिनांक 23-12-78
45. सा. का. नि. 55 (अ) दिनांक 31-1-79
46. सा. का. नि. 142 (अ) दिनांक 18-3-79 (शुद्धिपत्र)
47. सा. का. नि. 231 (अ) दिनांक 6-4-79
48. सा. का. नि. 423 दिनांक 30-6-79 (शुद्धिपत्र)
49. सा. का. नि. 1046 दिनांक 11-8-79 (शुद्धिपत्र)
50. सा. का. नि. 1210 दिनांक 29-9-79 (शुद्धिपत्र)
51. सा. का. नि. 19 (अ) दिनांक 28-1-80
52. सा. का. नि. 243 (अ) दिनांक 1-3-80
53. सा. का. नि. 244 (अ) दिनांक 1-3-80 (शुद्धिपत्र)
54. सा. का. नि. 996 दिनांक 8-9-80 (शुद्धिपत्र)
55. सा. का. नि. 579 (अ) दिनांक 13-10-80
56. सा. का. नि. 652 (अ) दिनांक 14-11-80
57. सा. का. नि. 710 (अ) दिनांक 22-12-90
58. सा. का. नि. 23 (अ) दिनांक 16-1-80
59. सा. का. नि. 205 (अ) दिनांक 25-3-81 (शुद्धिपत्र)
60. सा. का. नि. 290 (अ) दिनांक 13-4-81
61. सा. का. नि. 444 दिनांक 2-5-81 (शुद्धिपत्र)
62. सा. का. नि. 503 (अ) दिनांक 1-9-81
63. सा. का. नि. 891 (अ) दिनांक 3-10-81 (शुद्धिपत्र)
64. सा. का. नि. 1086 दिनांक 8-12-81 (शुद्धिपत्र)
65. सा. का. नि. 80 दिनांक 24-1-80 (शुद्धिपत्र)
66. सा. का. नि. 44 (अ) दिनांक 5-2-82

67. सा. का. नि. 57(अ) दिनांक 11-2-82
68. सा. का. नि. 245(अ) दिनांक 11-3-82
69. सा. का. नि. 307(अ) दिनांक 3-4-82 (शुद्धिपत्र)
70. सा. का. नि. 368(अ) दिनांक 17-4-82 (शुद्धिपत्र)
71. सा. का. नि. 422(अ) दिनांक 24-5-82
72. सा. का. नि. 476(अ) दिनांक 29-4-82
73. सा. का. नि. 504(अ) दिनांक 20-7-82 (शुद्धिपत्र)
74. सा. का. नि. 753(अ) दिनांक 11-12-82 (शुद्धिपत्र)
75. सा. का. नि. 109(अ) दिनांक 26-2-83
76. सा. का. नि. 249(अ) दिनांक 8-3-83
77. सा. का. नि. 209(अ) दिनांक 16-3-83
78. सा. का. नि. 283(अ) दिनांक 26-3-83
79. सा. का. नि. 329(अ) दिनांक 14-4-83 (शुद्धिपत्र)
80. सा. का. नि. 539(अ) दिनांक 1-7-83 (शुद्धिपत्र)
81. सा. का. नि. 634(अ) दिनांक 9-8-83 (शुद्धिपत्र)
82. सा. का. नि. 743 दिनांक 8-10-83 (शुद्धिपत्र)
83. सा. का. नि. 790(अ) दिनांक 10-10-83
84. सा. का. नि. 803(अ) दिनांक 27-10-83
85. सा. का. नि. 816(अ) दिनांक 3-11-83
86. सा. का. नि. 829 (अ) दिनांक 7-11-83
87. सा. का. नि. 848(अ) दिनांक 19-11-83
88. सा. का. नि. 893(अ) दिनांक 17-12-83 (शुद्धिपत्र)
89. सा. का. नि. 113 दिनांक 20-1-84 (शुद्धिपत्र)
90. सा. का. नि. 500(अ) दिनांक 9-7-84
91. सा. का. नि. 612(अ) दिनांक 18-8-84 (शुद्धिपत्र)
92. सा. का. नि. 744(अ) दिनांक 27-10-84
93. सा. का. नि. 764(अ) दिनांक 15-11-84
94. सा. का. नि. 3(अ) दिनांक 1-1-85
95. सा. का. नि. 11(अ) दिनांक 4-11-85
96. सा. का. नि. 142(अ) दिनांक 8-3-85 (शुद्धिपत्र)
97. सा. का. नि. 293(अ) दिनांक 23-3-85
98. सा. का. नि. 368(अ) दिनांक 18-4-85 (शुद्धिपत्र)
99. सा. का. नि. 385(अ) दिनांक 29-4-85 (शुद्धिपत्र)
100. सा. का. नि. 543(अ) दिनांक 2-7-85
101. सा. का. नि. 550(अ) दिनांक 4-7-85
102. सा. का. नि. 587(अ) दिनांक 17-7-85 (शुद्धिपत्र)
103. सा. का. नि. 605(अ) दिनांक 24-7-85
104. सा. का. नि. 745(अ) दिनांक 20-9-85
105. सा. का. नि. 746(अ) दिनांक 20-9-85
106. सा. का. नि. 748(अ) दिनांक 23-9-85 (शुद्धिपत्र)
107. सा. का. नि. 892(अ) दिनांक 6-12-85
108. सा. का. नि. 903(अ) दिनांक 17-12-85 (शुद्धिपत्र)
109. सा. का. नि. 73(अ) दिनांक 29-1-86
110. सा. का. नि. 507(अ) दिनांक 19-3-86
111. सा. का. नि. 724(अ) दिनांक 29-4-85 (शुद्धिपत्र)
112. सा. का. नि. 851(अ) दिनांक 13-6-86
113. सा. का. नि. 852(अ) दिनांक 13-6-86
114. सा. का. नि. 910(अ) दिनांक 27-6-86
115. सा. का. नि. 930(अ) दिनांक 9-7-86 (शुद्धिपत्र)
116. सा. का. नि. 1008(अ) दिनांक 18-10-86 (शुद्धिपत्र)
117. सा. का. नि. 1149(अ) दिनांक 15-10-86 (शुद्धिपत्र)
118. सा. का. नि. 1207(अ) दिनांक 18-11-86 (शुद्धिपत्र)
119. सा. का. नि. 1228(अ) दिनांक 27-11-86
120. सा. का. नि. 12(अ) दिनांक 5-1-87
121. सा. का. नि. 28(अ) दिनांक 13-1-87 (शुद्धिपत्र)
122. सा. का. नि. 270(अ) दिनांक 2-3-87
123. सा. का. नि. 344(अ) दिनांक 31-3-87 (शुद्धिपत्र)
124. सा. का. नि. 422(अ) दिनांक 29-3-87 (शुद्धिपत्र)
125. सा. का. नि. 500(अ) दिनांक 15-5-87 (शुद्धिपत्र)
126. सा. का. नि. 569(अ) दिनांक 12-6-87 (शुद्धिपत्र)
127. सा. का. नि. 840(अ) दिनांक 6-10-87
128. सा. का. नि. 900(अ) दिनांक 10-11-87
129. सा. का. नि. 916(अ) दिनांक 17-11-87
130. सा. का. नि. 917(अ) दिनांक 17-11-87
131. सा. का. नि. 918(अ) दिनांक 17-11-87 (शुद्धिपत्र)
132. सा. का. नि. 72(अ) दिनांक 3-2-88 (शुद्धिपत्र)
133. सा. का. नि. 73(अ) दिनांक 3-2-88 (शुद्धिपत्र)
134. सा. का. नि. 368(अ) दिनांक 23-7-89 (शुद्धिपत्र)
135. सा. का. नि. 367(अ) दिनांक 23-3-88
136. सा. का. नि. 437(अ) दिनांक 8-4-88
137. सा. का. नि. 436(अ) दिनांक 8-4-88
138. सा. का. नि. 454(अ) दिनांक 8-4-88
139. सा. का. नि. 618(अ) दिनांक 16-5-88
140. सा. का. नि. 855(अ) दिनांक 12-8-88
141. सा. का. नि. 856(अ) दिनांक 12-8-88
142. सा. का. नि. 924(अ) दिनांक 13-9-88 (शुद्धिपत्र)
143. सा. का. नि. 1081(अ) दिनांक 17-11-88
144. सा. का. नि. 1457 (अ) दिनांक 9-12-88
145. सा. का. नि. 12(अ) दिनांक 20-1-89 (शुद्धिपत्र)
146. सा. का. नि. 128(अ) दिनांक 8-3-90
147. सा. का. नि. 411(अ) दिनांक 29-3-90
148. सा. का. नि. 445(अ) दिनांक 16-4-90
149. सा. का. नि. 457(अ) दिनांक 23-4-90
150. सा. का. नि. 729(अ) दिनांक 23-8-90
151. सा. का. नि. 732(अ) दिनांक 23-8-90
152. सा. का. नि. 727(अ) दिनांक 23-8-90
153. सा. का. नि. 764(अ) दिनांक 7-9-90
154. सा. का. नि. 10(अ) दिनांक 7-1-91
155. सा. का. नि. 24(अ) दिनांक 15-1-91
156. सा. का. नि. 124(अ) दिनांक 5-3-91
157. सा. का. नि. 261(अ) दिनांक 29-5-91
158. सा. का. नि. 257(अ) दिनांक 3-5-91
159. सा. का. नि. 494(अ) दिनांक 23-7-91
160. सा. का. नि. 731(अ) दिनांक 10-12-91
161. सा. का. नि. 91(अ) दिनांक 7-2-92
162. सा. का. नि. 101(अ) दिनांक 18-2-92
163. सा. का. नि. 314(अ) दिनांक 9-3-92 (शुद्धिपत्र)
164. सा. का. नि. 524(अ) दिनांक 15-5-92
165. सा. का. नि. 596(अ) दिनांक 17-6-92

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY
WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 1992

G.S.R. 783(E).—The following draft of rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (Central Act 37 of 1954) and after consultation with Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected hereby, and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of thirty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published, are made available to the public.

Any objection or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to the Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, Nirman Bhavan, New Delhi 110011.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, (hereinafter referred to as the said rules) in rule 42, after clause (zzz)(3) the following shall be inserted, namely :—

“(zzz)(4) Every package of vanaspati made from more than 30 per cent of Rice bran oil shall bear the following label, namely :—

- * This package of vanaspati is made *
- * from more than 30 per cent Rice *
- * bran oil by weight *

(zzz)(5) Every package containing fat spread shall carry the following labels, namely :—

(i)

- * Milk Fat Spread *
- * Total Milk Fat Content..... *
- percent by weight *
- * Date of packing..... *
- * Use before..... *

(ii)

- * Mixed Fat Spread *
- * Total Fat Content..... *
- percent by weight *
- * Milk Fat Content..... *
- * percent by weight *
- * Date of packing..... *
- * Use before..... *

(iii)

- * Vegetable Fat or Margarine Product*
- * Total Fat Content..... *
- * percent by weight *
- * Date of packing..... *
- * Use before *

3. in rule 49 of the said rules, after sub-rule (21) the following shall be inserted, namely :—

“(22) The fat spread shall not be sold in loose form. It shall be sold in sealed packages weighing not more than 500 gms. The word ‘butter’ shall not be associated while labelling the product. The sealed package shall be sold or offered for sale only under AGMARK Certification mark bearing the label declaration as provided under rule 42 besides other labelling requirements under these rules.”

4. in rule 55 of the said rules, after item (36) and entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

| | | |
|-----------------|---|---------------------------|
| “37. Fat spread | Sorbic acid and its sodium, potassium and calcium salts. (Calculated as sorbic acid) or Nisin (Calculated as sorbic acid) or both | 1000 1000 1000” |
|-----------------|---|---------------------------|

5. In rule 59 of the said rules, after the fifth proviso, the following shall be inserted, namely :—

“Provided also that fat spread may contain Butylated hydroxyanisole (BHA) or Tertiary butyl quinone (TBHQ) in a concentration not exceeding 0.02 percent.”;

6. in rule 72 of the said rules, in the Table, in item 14, in column (2), in sub-item (iii), after the words “Sandwich spread”, the words “or Fat spread” shall be inserted;

7. In APPENDIX B of the said rules,—

(i) after item A. 10.08, the following items shall be inserted, namely :—

“A. 10.09 Kekum fat means the fat obtained from clean and sound seed kernels of kokum (*Garcinia Indica* Choisy), also known as Kokum, by process of expression from cake or kernel by a process of solvent extraction. It shall be clear on melting and free from rancidity, adulterants, sediment, suspended and other foreign matter, separated water, added colouring and flavouring matters and mineral oil.

In addition the refined kokum fat shall have acceptable taste and odour and may contain permitted anti-oxidants in specified quantities as prescribed under the Rules.

It shall also conform to the following standards, namely :—

| | |
|--|-------------------------------------|
| (a) Butyro-refractometer reading at 40°C | 26.6—37.7 |
| (b) Saponification value | 187—195 |
| (c) Unsaponifiable matter | Not more than 1.5 percent by weight |
| (d) Iodine value (Wijs) | 32—40 |
| (e) Acid value | Not more than 0.5 |
| (f) Flash Point [Pensky-Martens (closed) method] | Not less than 250°C |

A.10.10 Mango Kernel Fat means the fat obtained from clean and sound kernels of Mango (*Mangifera Indica* Linn.) by the process of solvent extraction. It shall be clear on melting and free from adulterants, rancidity, sediments, suspended and other foreign matter, separated water, added colouring and flavouring matters and mineral oil. In addition the refined Mango kernel fat shall have acceptable taste and odour and may contain permitted anti-oxidants in specified quantities as prescribed in the rules.

It shall also conform to the following standards, namely :—

| | |
|---|-------------------------------------|
| (a) Butyro-refractometer reading at 40°C | 22.4—36.4 |
| (b) Saponification value | 185—198 |
| (c) Unsaponifiable matter | Not more than 1.5 percent by weight |
| (d) Iodine value (Wijs) | 32—57 |
| (e) Acid value | Not more than 0.5 |
| (f) Flash Point [By Pensky-Martens (closed) method] | Not less than 250°C |

A.10.11 Dhupa Fat means the fat obtained from clean and sound seed kernels of Dhupa, also known as Indian Goral (*Vateria Indica* Linn.) tree, by the process of expression from cake or kernels by a process of solvent extraction. It shall be clear on melting and free from rancidity, adulterants, sediments, suspended and other foreign matter, separated water and added colouring and flavouring matter and mineral oil. In addition refined Dhupa fat shall have acceptable taste and odour and may contain permitted anti-oxidants in specified quantities as prescribed under these Rules.

It shall also conform to the following standards, namely :—

| | |
|--|-------------------------------------|
| (a) Butyro refractometer reading at 40°C | 47.6—62.8 |
| (b) Saponification value | 186—193 |
| (c) Unsaponifiable matter | Not more than 1.5 percent by weight |
| (d) Iodine value (Wijs) | 36—51 |
| (e) Acid value | Not more than 0.5 |
| (f) Flash Point [Pensky Martens (closed) method] | Not less than 250°C |

A.10.12 Phulwara Fat—means the fat expressed from clean phulwara [variously named *Aisandra butyracea* (Rexb) Baehni, *Medhuca butyracea* or *Bassia butyracea*] seed kernels. It shall be clear on melting and shall be free from rancidity, suspended

or other foreign matters, separated water, added colouring and flavouring substances and mineral oil. It shall be refined. Refined Phulwara fat shall have acceptable taste and odour and may contain permitted antioxidants in specified quantity as prescribed under these rules.

It shall also conform to the following standards, namely :—

| | |
|---|-------------------------------------|
| (a) Butyro refractometer reading at 40°C | 48.6—51.0 |
| (b) Saponification value | 192.5—199.4 |
| (c) Iodine value | 43.8—47.4 |
| (d) Unsaponifiable matter | Not more than 1.5 percent by weight |
| (e) Acid value | Not more than 0.50 |
| (f) Flash Point [Pensky Martin (closed) method] | Not less than 250°C |

(ii) in item A.17.17, for the words 'Moisture and insoluble matter' the words 'Moisture and volatile matter' shall be substituted;

(iii) in item A.17.18 (a) in sub-item (i), for the words, "imported rapeseed" the words, "rapeseed grown abroad" shall be substituted, and

(b) in sub-item (ii), after the words, "the oil", the words, "produced in India" shall be inserted;

(iv) in item A. 17.19, for the words "palm oil" shall be refined before it is supplied for human consumption and it shall conform to the standards laid down under item A. 17.15. Additionally, it shall have Flash Point (Pensky-Martens closed method)—Not less than 250°C, the words "Indigenously produced Raw Palm Oil obtained by method of expression may be supplied for human consumption as such provided acid value is not more than 6.0. But Palm Oil imported into the country or produced by solvent extraction shall be refined before it is supplied for human consumption and it shall conform to the standards laid down under A.17.15. Additionally, it shall have Flash Point (Pensky-Martens closed method)—Not less than 250°C, shall be substituted;

(v) in item A.17.22, for the figure, "82.9" the figure "65.0" shall be substituted;

(vi) in item A.17.23, for the words 'moisture and insoluble impurities' the words "Moisture and volatile matter" shall be substituted;

(vii) in item A.19,—

(a) in sub-item (vii), the following shall be inserted at the end, namely :—

"but in case of vanaspati where proportion of rice bran oil is more than 30 percent by weight, the unsaponifiable matter shall be not more than 2.5 percent by weight provided quantity of rice bran oil is declared on the label of such vanaspati as laid down in clause [xxx(4)] of rule 42;

(b) in sub-item (x) for the words, "It shall contain raw or refined Sesame (til) oil not less

than 5 per cent by weight but sufficient," the words "It shall contain raw or refined Sesame (til) oil in sufficient quantity" shall be substituted;

(c) after sub-item (xii), the following shall be inserted, namely :—

"(xiii) It shall not have nickel exceeding 1.5 ppm."; (viii) after item A.30, and entries relating thereto the following shall be inserted, namely :—

"A.31 Fat Spread means a product in the form of water in oil emulsion, of an aqueous phase and a fat phase of edible oils and fats excluding animal body fats.

Fatspreads will be classified into the following three groups :—

- | | |
|---|---|
| (a) Milk fat products — | Fat content will be exclusively milk fat. |
| (b) Mixed fat products— | Fat content will be mixture of milk fat and hydrogenated or unhydrogenated refined edible vegetable oils. |
| (c) Vegetable fat or Margarine products | Fat content will be a mixture of hydrogenated or unhydrogenated refined vegetable oils. |

The fat content shall be declared on the label. In mixed fat spread, the milk fat content shall also be declared on the label along with the total fat content.

The word 'butter' will not be associated while labelling the product.

It may contain edible common salt not exceeding 2 per cent by weight; milk solids-not-fat; starch not exceeding 1 percent by weight; Diacetyl may be added as flavouring agents not exceeding 4.0 ppm; permitted emulsifiers and stabilisers; permitted antioxidants (BHA or TBHQ) not exceeding 0.02 percent of the fat content of the spread; permitted class II preservatives namely sorbic acid including its sodium, potassium and calcium salts (calculated as sorbic acid) or nisin (calculated as sorbic acid) singly or in combination not exceeding 1000 parts per million by weight; and sequestering agents. It may contain annatto and/or carotene as colouring agents. It shall be free from animal body fat, mineral oil and wax : vegetable fat spread shall contain raw or refined Sesame Oil (Til oil) in sufficient quantity so that when separated fat is mixed with refined groundnut oil in the proportion of 20 : 80, the red colour produced by Baudouin test shall not be lighter than 2.5 red units in 1 cm cell on a Lovibond scale.

It shall also conform to the following standards, namely :—

- | | |
|---|---|
| (i) Fat | Not more than 80 per cent and not less than 40 per cent m/m |
| (ii) Moisture | Not more than 56 percent and not less than 16 percent m/m |
| (iii) Melting point of extracted fat. (capillary slip method) in case of vegetable fat spread | Not more than 37°C. |
| (iv) Unsaponifiable matter of extracted fat— | |
| (a) In case of milk fat and mixed fat spread | Not more than 1 percent by weight. |
| (b) In case of vegetable fat spread | Not more than 1.5 percent |
| (v) acid value of extracted fat. | Not more than 0.5 |

It shall be compulsorily sold in sealed packages weighing not more than 500 g. under Agmark certification mark.

- (vi) The vegetable fat or Margarine product shall contain not less than 25 I.U. synthetic vitamin 'A' per gram at the time of packing and shall show a positive test for vitamin 'A' when tested by Antimony Trichloride (carr-price) reagents (as per I.S. 5886-1970)."

[No. 15014/2/92-PH(F&N)]

B. S. LAMBA, Jt. Secy.

Note :—The Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were first published in Part II, Section 3 of the Gazette of India vide SRO 2105 dated 12-9-1955 and subsequently amended as follows by :—

1. SRO 1202 dated 26-5-56
2. SRO 1687 dated 28-7-56
3. SRO 2213 dated 28-9-56 Extraordinary
4. SRO 2755 dated 24-11-56

The further amendments were published in Part II, Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follows by :—

5. GSR 514 dated 28-6-58
6. GSR 1211 dated 20-12-58
7. GSR 425 dated 4-4-60
8. GSR 169 dated 11-2-61
9. GSR 1134 dated 16-9-61
10. GSR 1340 dated 4-11-61
11. GSR 1564 dated 24-11-62
12. GSR 1589 dated 22-10-64
13. GSR 1814 dated 11-12-65
14. GSR 74 dated 8-1-66

15. GSR 382 dated 19-3-66
16. GSR 1256 dated 26-8-67
17. GSR 1533 dated 24-8-68
18. GSR 2163 dated 14-12-68 Corrigendum
19. GSR 532 dated 8-3-69
20. GSR 1764 dated 26-7-69 Corrigendum
21. GSR 2068 dated 30-8-69
22. GSR 1808 dated 24-10-70
23. GSR 938 dated 12-6-71
24. GSR 992 dated 3-7-71
25. GSR 553 dated 6-5-72
26. GSR 436(E) dated 10-10-72
26. GSR 133 dated 10-2-73
28. GSR 205 dated 23-2-74
29. GSR 850 dated 12-7-75
30. GSR 508(E) dated 27-9-75
31. GSR 63(E) dated 5-2-76
32. GSR 754 dated 29-5-76
33. GSR 755 dated 29-5-76
34. GSR 856 dated 12-6-76
35. GSR 1417 dated 2-10-76
36. GSR 4(E) dated 4-1-77
37. GSR 18(E) dated 15-1-77
38. GSR 651(E) dated 20-10-77
39. GSR 732(E) dated 5-12-77
40. GSR 755(E) dated 27-12-77
41. GSR 36(E) dated 21-1-78
42. GSR 70(E) dated 8-2-78
43. GSR 238(E) dated 20-4-78
44. GSR 393(E) dated 4-8-78
45. GSR 540(E) dated 23-12-78
46. GSR 55(E) dated 31-1-79
47. GSR 142(E) dated 16-3-79 Corrigendum
48. GSR 231(E) dated 6-4-79
49. GSR 1843 dated 11-8-79 Corrigendum
50. GSR 1210 dated 29-9-79 Corrigendum
51. GSR 19(L) dated 28-1-80
52. GSR 243 dated 1-3-80
53. GSR 244 dated 1-3-80
54. GSR 996 dated 27-9-80 Corrigendum
55. GSR 579(E) dated 31-10-80
56. GSR 652(E) dated 14-11-80
57. GSR 710(E) dated 22-12-80
58. GSR 23(E) dated 16-1-81
59. GSR 205(E) dated 25-3-81 Corrigendum
60. GSR 290(E) dated 13-4-81
61. GSR 444 dated 2-5-81 Corrigendum
62. GSR 503(E) dated 1-9-81
63. GSR 891 dated 2-10-81 Corrigendum
64. GSR 1056 dated 5-12-81 Corrigendum
65. GSR 80 dated 23-1-82 Corrigendum
66. GSR 44(E) dated 5-2-82
67. GSR 57(E) dated 11-2-82
68. GSR 245(E) dated 11-3-82
69. GSR 307(E) dated 3-4-82 Corrigendum
70. GSR 386 dated 17-4-82 Corrigendum
71. GSR 422(E) dated 24-5-82
72. GSR 476(E) dated 29-6-82
73. GSR 504(E) dated 20-7-82 Corrigendum
74. GSR 753(E) dated 11-12-82 Corrigendum
75. GSR 109(E) dated 26-2-83
76. GSR 249(E) dated 8-3-83
77. GSR 268(E) dated 16-3-83
78. GSR 282(E) dated 26-3-83
79. GSR 329(E) dated 14-4-83 Corrigendum
80. GSR 539(E) dated 1-7-83 Corrigendum
81. GSR 634 dated 9-5-83 Corrigendum
82. GSR 743 dated 8-10-83 Corrigendum
83. GSR 790(E) dated 10-10-83
84. GSR 803(E) dated 27-10-83
85. GSR 816(E) dated 3-11-83
86. GSR 829(E) dated 7-11-83
87. GSR 848(E) dated 19-11-83
88. GSR 893(E) dated 17-12-83 Corrigendum
89. GSR 113 dated 20-1-84 Corrigendum
90. GSR 500(E) dated 9-7-84
91. GSR 612(E) dated 13-8-84 Corrigendum
92. GSR 744(E) dated 27-10-84
93. GSR 764(E) dated 15-11-84
94. GSR 3(E) dated 1-1-85
95. GSR 11(E) dated 4-1-85
96. GSR 142(E) dated 8-3-85 Corrigendum
97. GSR 293(E) dated 23-3-85
98. GSR 368(E) dated 18-4-85 Corrigendum
99. GSR 385(E) dated 29-4-85 Corrigendum
100. GSR 543(E) dated 2-7-85
101. GSR 550(E) dated 4-7-85
102. GSR 587(E) dated 17-7-85 Corrigendum
103. GSR 605(E) dated 24-7-85
104. GSR 745(E) dated 20-9-85
105. GSR 746(E) dated 20-9-85
106. GSR 748(E) dated 23-9-85 Corrigendum
107. GSR 892(E) dated 6-12-85
108. GSR 903(E) dated 17-12-85 Corrigendum
109. GSR 73(E) dated 29-1-86
110. GSR 507(E) dated 19-3-86
111. GSR 724(E) dated 29-4-86 Corrigendum
112. GSR 851(E) dated 13-6-86

-
- | | |
|---|---|
| 113. GSR 852(E) dated 13-6-86 | 139. GSR 618(E) dated 16-5-88 |
| 114. GSR 910(E) dated 27-6-86 | 140. GSR 855(E) dated 12-8-88 |
| 115. GSR 939(E) dated 9-7-86 Corrigendum | 141. GSR 856(E) dated 12-3-88 |
| 116. GSR 1008(E) dated 18-8-86 Corrigendum | 142. GSR 924(E) dated 13-9-88 Corrigendum |
| 117. GSR 1149(E) dated 15-10-86 Corrigendum | 143. GSR 1081(E) dated 17-11-88 |
| 118. GSR 1207(E) dated 18-11-86 Corrigendum | 144. GSR 1157(E) dated 9-12-88 |
| 119. GSR 1228(E) dated 27-11-86 | 145. GSR 42(E) dated 20-1-89 Corrigendum |
| 120. GSR 12(E) dated 5-1-87 | 146. GSR 128(F) dated 8-3-90 |
| 121. GSR 28(E) dated 13-1-87 (Corrigendum) | 147. GSR 411(F) dated 29-3-90 |
| 122. GSR 270(E) dated 2-3-87 | 148. GSR 445(E) dated 16-4-90 |
| 123. GSR 344(E) dated 31-3-87 Corrigendum | 149. GSR 457(E) dated 23-4-90 |
| 124. GSR 422(E) dated 29-4-87 Corrigendum | 150. GSR 729(E) dated 23-8-90 |
| 125. GSR 500(E) dated 15-5-87 Corrigendum | 151. GSR 732(E) dated 23-8-90 |
| 126. GSR 569(E) dated 12-6-87 | 152. GSR 727(E) dated 23-8-90 |
| 127. GSR 840(E) dated 6-10-87 | 153. GSR 764(E) dated 7-9-90 |
| 128. GSR 900(E) dated 10-11-87 | 154. GSR 10(E) dated 7-1-91 |
| 129. GSR 916(E) dated 17-11-87 | 155. GSR 24(E) dated 15-1-91 |
| 130. GSR 917(E) dated 17-11-87 | 156. GSR 124(E) dated 5-3-91 |
| 131. GSR 918(E) dated 17-11-87 Corrigendum | 157. GSR 281(E) dated 29-5-91 |
| 132. GSR 72(E) dated 3-2-88 Corrigendum | 158. GSR 257(E) dated 3-5-91 |
| 133. GSR 73(E) dated 3-2-88 Corrigendum | 159. GSR 494(E) dated 25-7-91 |
| 134. GSR 366(E) dated 23-3-88 Corrigendum | 160. GSR 731(E) dated 10-12-91 |
| 135. GSR 367(E) dated 23-3-88 | 161. GSR 91(E) dated 7-2-92 |
| 136. GSR 437(E) dated 8-4-88 | 162. GSR 101(E) dated 18-2-92 |
| 137. GSR 436(E) dated 8-4-88 | 163. GSR 314(E) dated 9-3-92 Corrigendum |
| 138. GSR 454(E) dated 8-4-88 | 164. GSR 524(E) dated 15-5-92 |
| | 165. GSR 596(E) dated 17-6-92 |
-